



HARYANA - CET

संयुक्त योग्यता परीक्षा

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग

भाग - 2

सामान्य अध्ययन एवं कम्प्यूटर

HARYANA - CET

भारत का भूगोल

1.	भारत का विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक भू-भाग	4
3.	भारत का अपवाह तंत्र	10
4.	जैव विविधता	17
5.	भारत की मिट्टी मृदा	23
6.	जलवायु	24
7.	भारत में खनिजों का वितरण	25
8.	भारत के प्रमुख उद्योग	28
9.	परिवहन	31
10.	कृषि	35
11.	भारत में निवास करने वाली जनजातियाँ	37
12.	भौतिक भूगोल	39

भारत का इतिहास व राजव्यवस्था

1.	प्राचीन इतिहास	45
	● सिन्धु घाटी सभ्यता	47
	● वैदिक काल	53
	● बौद्ध धर्म	57
	● जैन धर्म	59
	● मौर्य वंश	62
	● पुष्यभूति वंश	68
	● संगम वंश	69
	● त्रिपक्षीय संघर्ष	72
2.	मध्यकालीन भारत	76
	● सल्तनत काल	76
	● मुगल काल	87
	● विजयनगर साम्राज्य	102

3.	आधुनिक भारत का इतिहास	106
	● भारत में यूरोपियन शक्तियों का आगमन	106
	● मराठा शक्ति का उत्कर्ष	113
	● देशी राज्यों के प्रति अंग्रेजों की नीति	120
	● अंग्रेजों की भू-राजस्व पद्धतियाँ	122
	● आगल सिख का संघर्ष	127
	● गवर्नर व वायसराय	127
	● 1857 की क्रान्ति	136
	● महत्वपूर्ण विद्रोह	139
	● राष्ट्रीय आन्दोलन	148
	● कांग्रेस अधिवेशन	149
	● प्रमुख व्यक्तित्व	174
4.	भारतीय संविधान	176
	● भारतीय संविधान के विकास का संक्षिप्त इतिहास	176
	● संविधान के भाग	184
	● राष्ट्रपति की शक्तियाँ	206
	● लोकसभा	218
	● न्यायपालिका	233
	● संविधान संशोधन	242
अर्थव्यवस्था		
1.	अर्थव्यवस्था एवं इसके क्षेत्र	255
2.	राष्ट्रीय आय	256
3.	मुद्रास्फीति	257
4.	बैंकिंग	260
5.	बेरोजगारी एवं गरीबी	268
6.	पंचवर्षीय योजनायें	270
❖	कम्प्यूटर	274



भारत का भूगोल

जैव-विविधता (Bio-Diversity)

- किसी क्षेत्र में मिलने वाली जीवन की विभिन्नता (Variation), उस क्षेत्र की 'जैव-विविधता' कहलाती है
- किसी क्षेत्र की जैव-विविधता (Bio-Diversity) का अनुमान लगाते समय उस क्षेत्र में मिलने वाली प्रजातिय विविधता (Species), आनुवांशिक विविधता (Genetic) तथा पारिस्थितिकी विविधता को सम्मिलित किया जाता है
- जैव विविधता किसी क्षेत्र में जीवन के अस्तित्व के बने रहने की संभावनाओं को बढ़ा देती है। जैव विविधता की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसके संरक्षण के लिए भारत में मुख्य रूप से 3 प्रकार के सुरक्षित/आरक्षित क्षेत्र स्थापित किए गए हैं-
 - वन्य जीव अभ्यारण्य
 - राष्ट्रीय उद्यान (पार्क)
 - जैव आरक्षित क्षेत्र

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान (National Park)

क्र.सं.	राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य	राज्य	प्रमुख संरक्षित जीव-जातियाँ
1.	अन्नमलाई वाईल्ड लाइफ सैंचुरी	तमिलनाडु	हाथी, चीता, तेंदुआ, चीतल, नीलगाय, हिरन, सांभर गिलहरी, जंगली कुत्ता तथा थल-जलीय पशु।
2.	अंशी नेशनल पार्क	कर्नाटक	हाथी, गैंडा, चीतल, तेंदुआ, चीता, नीलगाय, हिरन, लकडबग्घा, भालू तथा नाना प्रकार के पक्षी।
3.	बांधवगढ़ नेशनल पार्क	मध्य प्रदेश	चीता, बाघ, गैंडा, चीतल, सांभर, नीलगाय, चिंकारा, भौकता हिरन, भालू, जंगली-शुकर तथा नाना प्रकार के पक्षी

4.	बांदीपुर नेशनल पार्क	कर्नाटक	हाथी चीता, गैंडा, चीतल, सांभर, लकडबग्घा, जंगली भालू बाघ तथा गैंडा
5.	बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क	कर्नाटक	हाथी, चीता, तेंदुआ, हिरन, गैंडा, चीतल, नीलगाय, सांभर, जंगली शुकर, विभिन्न पक्षी
6.	भगवान महावीर नेशनल पार्क	गोआ	हाथी, बाघ, लकडबग्घा, गैंडा, सांभर हिरन, जंगली शुकर भालू तथा पक्षी।
7.	भीतरकनिका (Bhitakar nika) नेशनल पार्क	ओडिशा	मगरमच्छ, अजगर (Python), किंग-कोबरा, ओलिव रिडले टर्टल (Olive Ridley Turtles)] शफेद पेट वाला गरुड (शाहीन), डॉल्फिन, मछली भक्ष बिल्ली, काला हिरन, चीतल तथा पक्षी।
8.	चिलका बर्ड अभयारण्य	ओडिशा	जलमुर्गी, फ्लेमिंगो, गूज़ (Goose), शेव्ड-पाइपर, गुल, टर्न, शफेद पेट वाला गरुड/शाहीन, मछली भक्ष बिल्ली, चीतल तथा विभिन्न अन्य पक्षी।
9.	जिमकोर्बेट नेशनल पार्क	उत्तराखण्ड	हाथी, तेंदुआ, चीता, जंगली-शुकर, सांभर, दलदली, - हिरन, चीतल, भौकने वाला हिरन, उल्लू, तीतर इत्यादि
10.	दाचीगाम	श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)	कश्तूरी मृग, हंगल, तेंदुआ, काला हिरन, भूरा-भालू, शेर।
11.	दम्पा नेशनल पार्क	मिजोरम	हाथी, बाघ, तेंदुआ, हिरन, लकडबग्घा, जंगली शुकर।

12.	मरुस्थल श्रमयाराण्य	जेरालमेर	शोहन थिडिया (Indian Bustard), काला हिरन, नीलगाय, जंगली शुकुर ।	20.	कान्हा नेशनल पार्क	मध्य प्रदेश	चीता, पेथर/बाघ, लकडबग्घा, हिरन, जंगली-शुकुर, नाना प्रकार के पक्षी ।
13.	दुधवा नेशनल पार्क	लखीमपुर - खीरी (उतर प्रदेश)	चीता, तेंदुका, लकडबग्घा, जंगली शुकुर, शांभर, दलदली-हिरन, चीतल, भौकने वाला हिरन, नीलगाय, उल्लू, तीतर आदि ।	21.	कंचनजंगा बायोस्फियर रिजर्व	शिकिम	बर्फीला भालू, शफेद लोमडी, पांडा, गीदड तथा नाना प्रकार के पक्षी
14.	फाकिम वन्य जीव श्रमयाराण	नागालैंड	हाथी, हिरन, चीतल, बाघ, लकडबग्घा, जंगली-शुकुर ।	22.	काजीरंगा नेशनल पार्क	जेरह जनपद (श्रराम)	एक रींग वाला शइनो (Rhino), हाथी, चीता, तेंदुका, लोमडी, गीदड, जंगली भैंस, हिरन तथा नाना प्रकार के पक्षी
15.	गिर नेशनल पार्क	गुजरात	एशियाई- शेर, बाघ, पट्टेदार - लकडबग्घा, शांभर, नीलगाय, चीतल, हिरन, चौशिंगा, थिंकारा, जंगली-शुकुर	23.	काङ्गुल लाभजाश्रीं	मणीपुर	हाथी, भूश हिरन, एल्डश हिरन (Elds Deer), जंगली शुकुर, लोमडी, बंदर, गीदड, जलमुर्गी ।
16.	गिन्डी नेशनल पार्क	चेन्नई (तमिलनाडू)	हाथी, पैथर, लकडबग्घा, हिरन, वांडू तथा विभिन्न प्रकार के पक्षी	24.	केवलादेव-घ ना नेशनल पार्क	भरतपुर (राजस्थान)	शाइबेरियन-क्रेन, शारश, स्पून-बिल (Spoon Bill), कूट, हिरन, तील, तर्ण, शांभर, चीतल, काला हिरन, जंगली शुकुर, लोमडी, गीदड इत्यादि
17.	मन्नार की खाडी नेशनल पार्क/ बायोस्फियर रिजर्व	तमिलनाडू	डूगोंग (समुद्री गाय), मैन्ग्रो, प्रवाल, मछलियाँ, घोंघे, शैवाल, जलीय घास, कीडे-मकोडे ।	25.	माघव नेशनल पार्क	मध्य प्रदेश	हाथी, बाघ, चीता, गौड, जंगली-भैंस, गैडा, लकडबग्घा, हिरन, नीलगाय, शांभर, पक्षियाँ
18.	हेमिश नेशनल पार्क	लेह/ लद्दाख (जम्मू एवं कश्मीर)	कश्तूरी मृग, हेंगल, याक, चौशिंगा भूश-भालू, जंगली बिल्ली	26.	मानश नेशनल पार्क/ बायोस्फियर रिजर्व	बपेटा जनपद (श्रराम)	शुनहरा लंगूर, लाल पांडा, चीता, हाथी, बाघ, गैडा, जंगली-भैंस, गैडा, शुनहरा लंगूर, जंगली-बिल्ली, दलदली हिरन, शांभर, बौना-शुकुर, हार्न-बिल, नाना नाना प्रकार के पक्षी
19.	जलदापारा नेशनल पार्क	प. बंगाल	एक रींग वाला शहिनो (Rhino), चीता, बाघ, जंगली-हाथी, दलदली-हिरन, हाग-डियर, जंगली-शुकुर, उल्लू तथा नाना प्रकार के पक्षी				

27.	मरीन नेशनल पार्क	गुजरात	कछुआ (Turtle), मछलियाँ, घोंघे, शैवाल, जलीय जीव-जंतु तथा पेड-पौधे (मैनग्रोव)	34.	नोकरेक नेशनल पार्क, बायो, रिफ्यूज रिजर्व	मेघालय (गायोहिल)	लाल पांडा, हाथी, बाघ, चीता, तेंदुआ, लकडबग्घा, जंगली सुकूर, हिरन, चीतल, नीलगाय, उल्लू आदि ।
28.	मश्रीलिंग नेशनल पार्क (Moiling N.P.)	झरुणाचल प्रदेश	शफेद भालू, शफेद तेंदुआ, शफेद लोमडी, भूरा भालू, याक, तथा नाना प्रकार के पक्षी ।	35.	बेतला-पला मू टाइगर रिजर्व	झारखंड	हाथी, पैंथर, लकडबग्घा, जंगली सुकूर, जंगली-बिल्ली तथा नाना प्रकार के पक्षी
29.	मुदुमुलाई झभयारण्य	नीलगिरी (तमिलनाडु)	हाथी, गैंडा, चीतल, शांभर, चीता, बाघ, जंगली सुकूर, लोमडी, गीदड, हिरन इत्यादि ।	36.	पारम्बीकुलम नेशनल पार्क	केरल	हाथी, कश्तूरी बिलाव (civet), चीता, बाघ, गैंडा, लकडबग्घा (Hyena), चीतल, हिरन, जंगली बिल्ली, बंदर, लंगूर आदि ।
30.	नागार्जुन सागर	झांध्र प्रदेश	चीता, बाघ, हाथी, चीतल, जेर्डन कोर्शर (Jerdon's Courser), लंगूर/शांभर, नीलगाय, काला हिरन, लोमडी, भेडिया, लकडबग्घा, मगरमच्छ ।	37.	पेरियार नेशनल पार्क	केरल	हाथी, टाइगर, पैंथर, जंगली सुकूर, जंगली बिल्ली, नीलगाय, हिरन, भौंकने वाला हिरन ।
31.	नागरहोले नेशनल पार्क	कुर्ग-जनपद कर्नाटक	हाथी, चीता, बाघ, चीतल, हिरन, लागडी, लकडबग्घा, उल्लू, तीतर, बटेर इत्यादि ।	38.	रंगानाथिट्ट नेशनल पार्क	कर्नाटक	हाथी, बाघ, चीता, तेंदुआ, हिरन, नीलगाय, शांभर, भेडिया, लोमडी, गीदड, जंगली सुकूर
32.	नामदफा नेशनल पार्क	झरुणाचल प्रदेश	हाथी, बाघ, चीता, तेंदुआ, चट्टान का चूहा (Rock Rat), गैंडा, गोरल, लकडबग्घा, गिबबोन, लंगूर, बंदर, कश्तूरी मृग, लाल पांडा, मकाक, हार्नि-बिल, उल्लू तथा नाना प्रकार के पक्षी एवं कीडे-मकौडे ।	39.	राजाजी नेशनल पार्क	हरिद्वार-उत्तराखंड	हाथी, चीता, बाघ, तेंदुआ, हिरन, नीलगाय, शांभर, जंगली सुकूर, भालू, बंदर, लंगूर आदि
33.	नवेगॉव नेशनल पार्क	महाराष्ट्र	हाथी, बाघ, चीता, लकडबग्घा, हिरन, नीलगाय, जंगली सुकूर, लोमडी, गीदड, भेडिया तथा पक्षी	40.	रणथम्भौर नेशनल पार्क	राजस्थान	हाथी, शेर, चीता, तेंदुआ, लकडबग्घा, हिरन, नीलगाय, शांभर, भेडिया, लोमडी, गीदड, जंगली सुकूर आदि
				41.	रूपी भवा वाइल्ड लाइफ झभयारण्य	हिमाचल प्रदेश	शफेद-भालू, शफेद लोमडी, शफेद-गीदड, पांडा, भूरा भालू, इत्यादि
				42.	शरिष्का नेशनल पार्क	राजस्थान झलवर डिस्ट्रिक्ट	बाघ, तेंदुआ, लकडबग्घा, जंगली-बिल्ली,

	एण्ड टाइगर रिजर्व		शांभर, नीलगाय, हिरन, चौंशिंघां, बंदर, लंगूर, भेडिया, लोमडी, हरियल तोता, तीतर, बटेर इत्यादि		वदान्थाङ्गुल पक्षी भ्रणय (Vedantha n हंस Water Birds Sanctuary)	तमिलनाडु	जलमुर्गी, बतख तथा नाना प्रकार के जल में रहने वाले पक्षी ।
43.	गुरु घासी दास	छत्तीसगढ	हाथी, तेंदुआ, लकडबग्घा, चीतल, लोमडी, गीदड, हिरन, नीलगाय, भेडिया आदि ।		वाइल्ड एस क्रभयारण्य (Wild Ass sanctuary)	रज-क्राफ कच्छ गुजरात	जंगली गधे, नीलगाय, लोमडी, भेडिये, गीदड, छिंकारा, शृप, मगरमच्छ तथा नाना प्रकार के पक्षी ।
44.	रांजय गाँधी नेशनल पार्क	महाराष्ट्र	हाथी, तेंदुआ, लकडबग्घा, चीतल, हिरन, कोडन चूहा (Kondane Rat), नीलगाय, शरीशृप इत्यादि ।				
45.	शाइलैट वैली नेशनल पार्क	केरल	हाथी, तेंदुआ, लकडबग्घा, चीतल, मृग, जंगली-शुक्र तथा शरीशृप				
46.	शिमलीपाल बायोसिफ्यर रिजर्व	मयूरभंज-जनपद ओडिशा	शयल बंगाल चीता, जंगली हाथी, तेंदुआ, गौड, चीतल, लकडबग्घा, शांभर, नीलगाय, चौंशिंघा, छिंकारा, मगरमच्छ, जंगली शुक्र ।				
47.	शिरोही नेशनल पार्क	मणिपुर	हाथी, तेंदुआ, लकडबग्घा, लोमडी, गीदड, हिरन, चीतल, जंगली शुक्र, जंगली बिल्ली तथा नाना प्रकार के पक्षी ।				
48.	शुंदरवन बायोसिफ्यर रिजर्व	प. बंगाल	शयल बंगाल चीता, तेंदुआ, लकडबग्घा हाथी, लोमडी, गौडा, हिरन, मगरमच्छ तथा नाना प्रकार के शृप एवं पक्षी				
49.	वैली क्रॉफ फ्लावर्स नेशनल पार्क	उत्तराखंड	चीता, तेंदुआ, लकडबग्घा, पांडा, शफेद भालू, याक शफेद लोमडी तथा नाना प्रकार के फूलो वाले पौधे ।				



अर्थव्यवस्था

अर्थव्यवस्था

अर्थव्यवस्था के पिता - एडम रिचमथ ।
(Wealth of Nation)

किसी देश में होने वाली विभिन्न आर्थिक गतिविधियों को संचालित करने के लिए अपनायी गई व्यवस्था, नियम, नीतियाँ उस देश की अर्थव्यवस्था कहलाती हैं ।

अर्थव्यवस्था तीन प्रकार की होती है -

1. समाजवादी अर्थव्यवस्था

- यदि अर्थव्यवस्था में उत्पादन के सभी साधनों और सम्पत्तियों पर सार्वजनिक क्षेत्र या सरकार का नियंत्रण हो तो वह समाजवादी अर्थव्यवस्था कहलाती है ।
- सरकार का उद्देश्य लाभ कमाना ना होकर समाज कल्याण होता है ।

2. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था

- इस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों और सम्पत्तियों पर निजी व्यक्तियों/निजी क्षेत्रों का नियंत्रण होता है ।
- इस अर्थव्यवस्था में व्यवसाय का उद्देश्य लाभ कमाना होता है ।

3. मिश्रित अर्थव्यवस्था

- इस अर्थव्यवस्था में समाजवाद व पूँजीवाद दोनों के लक्षण पाये जाते हैं अर्थात् उत्पादन के साधनों और सम्पत्तियों पर सरकार व निजी क्षेत्र दोनों का अधिकार होता है ।
- भारतीय अर्थव्यवस्था मिश्रित प्रकार की अर्थव्यवस्था है ।

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र

अर्थव्यवस्था के कुल पाँच क्षेत्र माने जाते हैं लेकिन अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले क्षेत्र मात्र तीन ही होते हैं ।

1. प्राथमिक क्षेत्र

- इस क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों की सहायता से आर्थिक कार्य किये जाते हैं । सामान्यतः इस क्षेत्र में द्वितीयक क्षेत्र के लिए कच्चा माल तैयार

किया जाता है । जैसे- कृषि, वन, मछली पालन आदि ।

- इसे कृषि क्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है ।

2. द्वितीयक क्षेत्र

- निर्माण, विनिर्माण, उत्पादन आदि द्वितीयक क्षेत्र की गतिविधियाँ मानी जाती हैं ।
- इसे उद्योग क्षेत्र कहा जाता है ।
- खनन, उत्खनन, बिजली उत्पादन आदि भारत में द्वितीयक क्षेत्र में लिये जाते हैं ।

3. तृतीयक क्षेत्र

- इसे सेवा क्षेत्र भी कहा जाता है ।
- इस क्षेत्र में केवल सेवाएँ शामिल की जाती हैं । जैसे- डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, टीए आदि ।

क्षेत्र	GDP में योगदान	रोजगार में योगदान
कृषि	17%	50%
उद्योग	25%	25%
सेवा	$\frac{58}{100}$ %	$\frac{25}{100}$ %

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत की राष्ट्रीय आय का लगभग 25% भाग उद्योग क्षेत्र से आता है ।
- भारत की जनसंख्या का लगभग 25% भाग रोजगार के लिए उद्योगों पर निर्भर है ।

1. पहली औद्योगिक नीति

- यह नीति 1948 में जारी की गई ।
- यह नीति डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा जारी की गई ।

2. दूसरी औद्योगिक नीति

- यह नीति 1956 में जारी की गई ।
- यह नीति पी. टी. महालनोबिस मॉडल पर आधारित थी ।

3. तीसरी औद्योगिक नीति

- इसे डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा जारी किया गया ।
- सरकार द्वारा केवल तीन उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के लिए रखे गये ।
(i) परमाणु ऊर्जा (ii) परमाणु खनिज
(iii) रेलवे

राष्ट्रीय आय

- किसी देश में होने वाली सभी आर्थिक गतिविधियों का योग राष्ट्रीय आय कहलाता है अर्थात् अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों की आय का योग राष्ट्रीय आय कहलाता है।
- भारत में राष्ट्रीय आय की गणना CSO द्वारा की जाती है।
- राष्ट्रीय आय के लिए अकॉर्डों का संकलन NSSO & CSO द्वारा किया जाता है।
- यह दोनों संस्थाएँ MOSPI के अन्तर्गत कार्य करती हैं।
MOSPI = Ministry of Statistics & Program Implementation (सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय)
NSSO = National Sample Survey Office
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय आय की गणना करने के लिए तीन विधियों का उपयोग किया जाता है-
 - (i) आय विधि
 - (ii) व्यय विधि
 - (iii) उत्पाद विधि
- भारत में मिश्रित विधि का उपयोग किया जाता है।
- कृषि और उद्योग क्षेत्र के लिए उत्पादन विधि का उपयोग किया जाता है।
- सेवा क्षेत्र के लिए आय विधि का प्रयोग किया जाता है।
- भारत व्यय विधि का उपयोग नहीं करता है।
- भारत में 2011-12 को आधार वर्ष घोषित किया गया है।
- राष्ट्रीय आय की गणना के लिए निम्न अवधारणाएँ प्रचलित हैं- GDP, GNP, NDP, NNP।
- भारत में राष्ट्रीय आय का अनुमान उत्पाद विधि के आधार पर किया जाता है।
- जनवरी, 2015 से CSO द्वारा राष्ट्रीय आय की गणना 'बाजार मूल्य (Market Price)' पर की जाती है।

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{mp})

1. GDP, एक देश की घरेलू सीमा में, एक वर्ष में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं व सेवाओं का बाजार मूल्य।

2. सभी निवासी तथा गैर निवासी के द्वारा उत्पादन को शामिल किया जायेगा, चाहे वह कंपनी घरेलू हो या विदेशी।
3. $GDP_{mp} = C + I + G + X - M =$ निजी खपत + सकल निवेश + सरकारी निवेश + सरकारी खर्च + निर्यात-आयात।

शाधन लागत पर GDP_{fc}

1. शाधन लागत पर GDP, बाजार कीमतों पर GDP में से शुद्ध अप्रत्यक्ष कर घटाने पर प्राप्त होती है।
2. बाजार कीमतें सही किमतें हैं जो उपभोक्ता द्वारा दी जाती हैं। इसमें उत्पाद करें तथा उपदानों को भी शामिल किया जाता है।
3. 'शाधन लागत' शब्द का उपयोग उत्पादकों द्वारा दी गई कीमत के लिए किया जाता है, इसमें बाजार कीमतों में से शुद्ध अप्रत्यक्ष करों को घटाने पर प्राप्त होती है।
4. शाधन लागत पर GDP एक देश की घरेलू सीमा में एक वर्ष में फर्मों द्वारा किये गये उत्पादन के मौद्रिक मूल्य का माप है।
 $= GDP_{fc} = GDP_{mp} - NIT$

वित्त वर्ष

- 1 अप्रैल से लेकर 31 मार्च तक 12 महीने की अवधि वित्त वर्ष कहलाती है।
- वित्त वर्ष को परिवर्तित करने की संभावना ढूँढ़ने के लिए निम्न कमेटियों का गठन किया गया -
 1. बेल्बी आयोग
 2. L. K. JHA समिति
 3. दार्मिंश वाचा समिति
 4. शंकर आचार्य समिति (हाल ही में निर्मित)
- भारत की GDP गणना अन्तर्राष्ट्रीय प्रचलन के अनुरूप बनाने के लिए इसे GVA (सकल मूल्य संवर्द्धन) आधारित बनाया गया।
 1. $GVA_{fc} = \text{Rent} + \text{Interest} + \text{Wages} + \text{Profit}$
 2. $GVA_{bp} = GVA_{fc} + \text{उत्पादन कर} - \text{उत्पादन Subsidy}$
 3. $GDP_{mp} = GVA_{bp} + \text{उत्पाद कर} - \text{उत्पाद Subsidy}$
- वह मूल्य जिस पर सरकार द्वारा अंतिम उपभोक्ता से कर वसूले जाते हैं, आधार मूल्य कहलाता है।

बाजार कीमतों पर शुद्ध घरेलू उत्पाद = (NDP)

शकल घरेलू उत्पाद में से मूल्य ह्रास को घटा दिया जाता है।

$$NDP_{MP} = GDP_{MP} - \text{Depreciation}$$

शासन/स्थायी लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{FC})

शासन लागत पर NDP उत्पादन के शासनों द्वारा मजदूरी लाभ, लगान तथा ब्याज के रूप में देश की घरेलू सीमा के भीतर अर्जित आय है।

$$NDP_{FC} = NDP_{MP} - \text{निवल उत्पाद कर} - \text{निवल उत्पादन कर}$$

शासन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन यही भारत की राष्ट्रीय कर शास्य या स्थायी कीमत पर शकल मूल्य वृद्धि

$$GVA_{MP} = \text{निवल उत्पादन कर}$$

उत्पादन लागत पर शकल मूल्य वृद्धि

आधारित कीमत पर शकल मूल्य वृद्धि - निवल उत्पादन कर

$$GVA = \text{Gross Value Added शकल मूल्य वृद्धि}$$

मूल्य ह्रास - उत्पादन प्रक्रिया के दौरान, उत्पादन में प्रयोग में ली गई सम्पत्तियों व मशीनों में घिसावट होती है, इस कारण इनके मूल्य में आयी कमी मूल्य ह्रास कहलाती है।

बाजार कीमतों पर शकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP_{MP})

1. एक देश के सभी उत्पादन के शासनों द्वारा एक वर्ष में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य GNP_{MP} है तथा इसे बाजार कीमतों पर मापा जाता है।
2. देश के सभी नागरिकों द्वारा उत्पादित आर्थिक उत्पादन को शामिल किया जाता है चाहे नागरिक राष्ट्रीय सीमा के अन्दर उत्पादन करें या विदेशी सीमा में।

शासाधान /स्थायी लागत पर शकल राष्ट्रीय उत्पाद GNP_{MP}

शासन लागत पर GNP एक अर्थव्यवस्था के सभी उत्पादन के शासनों द्वारा प्राप्त उत्पादन का माप है।

बाजार कीमतों पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP_{MP})

शकल राष्ट्रीय उत्पाद में से मूल्य ह्रास को घटा दिया जाता है।

$$NNP_{MP} = GNP_{MP} - \text{DEP (मूल्य ह्रास)}$$


शासन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP_{FC})

शासन लागत पर NNP एक देश के उत्पादन के सभी शासनों द्वारा मजदूरी, लाभ, लगान तथा ब्याज के रूप में एक वर्ष में अर्जित शासन आय का योग है।

यह राष्ट्रीय उत्पाद है किन्तु राष्ट्रीय सीमा में उत्पादन तक सीमित नहीं है, यह शुद्ध घरेलू शासन आय तथा विदेशों से प्राप्त शुद्ध शासन का योग है।

शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन (NNP)

- $NNP_{fc} = NNP_{mp} - \text{अप्रत्यक्ष कर} + \text{सब्सिडी}$
- प्रति व्यक्ति आय = $\frac{\text{राष्ट्रीय आय}}{\text{जनसंख्या}} = \frac{NNP_{fc}}{\text{जनसंख्या}}$
- $GDP_{cp} = GDP_{mp} - \text{मुद्रास्फीति (CP = स्थिर मूल्य)}$
- GDP_{cp} को वास्तविक GDP भी कहा जाता है।
- बाजार मूल्य पर GDP को Nominal GDP भी कहा जाता है।
- $GDP \text{ Deflator} = \frac{\text{Nomial GDP}}{\text{Real GDP}} = \frac{GDP_{mp}}{GDP_{cp}}$



कम्प्यूटर

कम्प्यूटर सामान्य ज्ञान

1. 'कम्प्यूटर' शब्द की उत्पत्ति 'comput' शब्द से हुई जिसका अर्थ होता है 'गणना करना' ।
2. अबेकस - प्राचीन समय में गिनती सिखाने वाले यंत्र को अबेकस कहते हैं ।
3. जॉन नेपियर ने लघुगणक विधि (Algorithm) का विकास किया ।
4. पास्कल कैल्कुलेटर पहला मशीन Calculator था जिसका आविष्कार पास्कल ब्लैज (france के गणितज्ञ) ने किया ।
5. एनियाक (ENIAC : Electronic Numerical Integrator and computer) इसे पहला डिजिटल computer भी कहा जाता है ।
6. चार्ल्स बैबेज को आधुनिक Computer का निर्माता या जनक कहते हैं ।
7. प्रथम पीढ़ी के Computer में निर्वात नलिकाएँ या निर्वात वाल्व (Vacuum Tubes or Vacuum Valves) उपयोग में लाए जाते थे ।
8. 1947 में बैल लेबोरेटरी (USA) के विलियम शॉकली ने 'ट्रांजिस्टर' (PNP या NPN अर्द्धचालक युक्ति) का विकास किया ।
9. द्वितीय पीढ़ी में Vacuum tubes की जगह ट्रांजिस्टरों के उपयोग से Computer आकार में छोटे तथा सस्ते हो गए ।
10. तृतीय पीढ़ी में इलेक्ट्रॉनिक तकनीकी के क्षेत्र में विकास के साथ एक छोटी सी सिलिकॉन चिप बनाना संभव हो गया ।
11. तृतीय पीढ़ी के कम्प्यूटरों के साथ ही डाटा को भंडारित करने के बाहरी डिवाइसेज जैसे - डिस्क, टेप आदि का विकास हुआ ।
12. चतुर्थ पीढ़ी के आविष्कार से पूरी सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट एक छोटी सी चिप आ गयी जिसे माइक्रोप्रोसेसर कहा जाता है ।
13. पंचम पीढ़ी में अल्ट्रा लार्ज स्केल IC (ULSIC) का प्रयोग प्रारंभ हुआ जिसमें एक छोटी चिप पर लाखों ट्रांजिस्टर के बराबर सर्किट बनाए गए ।
14. डिजिटल/अंकीय कम्प्यूटर में सूचनाओं व आँकड़ों को डिस्क्रीट रूप में निश्चित अंको 0 या 1 के रूप में निरूपित किया जाता है ।
15. एनालॉग या अनुरूप कम्प्यूटर वे Computer जिनमें विभिन्न भौतिक शशियों यथा द्रब, तापमान, लम्बाई आदि शतत रूप से परिवर्तित होती रहती हैं ।
16. सुपर computer की कार्य करने की क्षमता 500 मेगाफ्लाप से भी अधिक होती है ।
17. विश्व का पहला सुपर कम्प्यूटर के रिसर्च कम्पनी ने 1976 में 'CRAY-1' बनाया था ।
18. इसका कार्य दिए गए डाटा को प्रोसेस करके उससे आउटपुट रूप में सूचनाएँ निकालना होता है इसे CPU (Central Processing Unit) भी कहते हैं ।

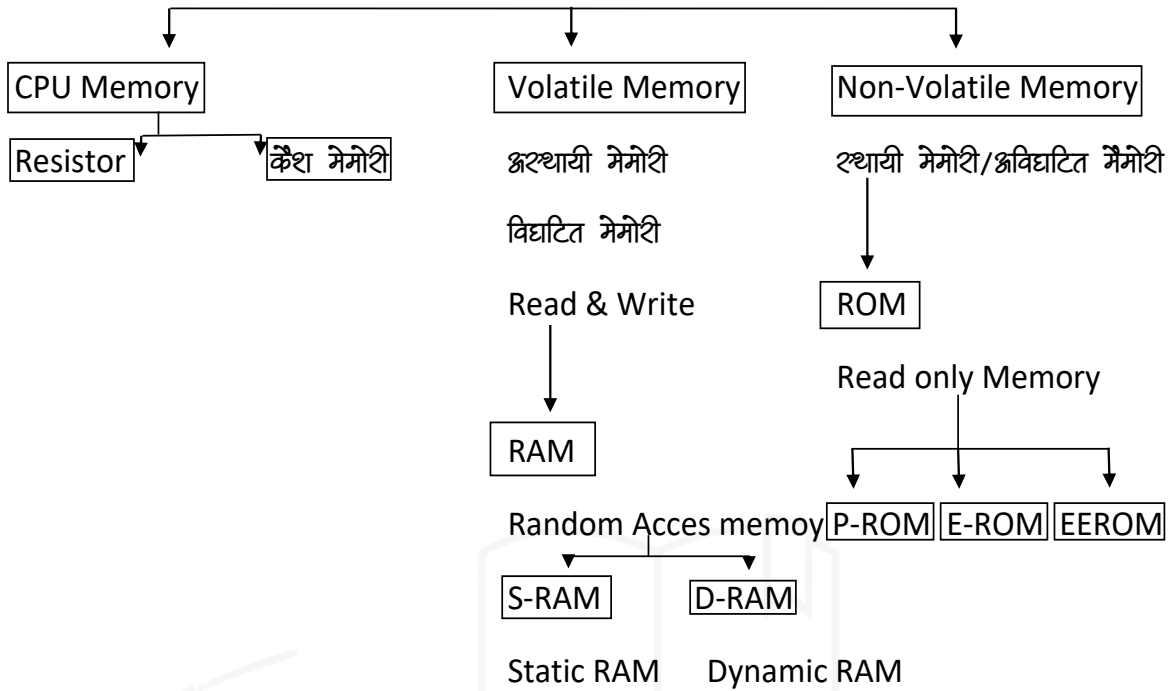
36. जॉयस्टिक - इस device का प्रयोग Painter को अधिक तेज गति से चलाने के लिए किया जाता है
 - इसका मुख्यतः प्रयोग computer game खेलने के लिए किया जाता है ।
37. लाइट पेन - इस device का प्रयोग डिजाइनिंग कार्यों के लिए किया जाता है इसलिए इसका प्रयोग CAD (Computer added design) के लिए किया जाता है ।
38. ट्रैक बॉल - इस device का प्रयोग मुख्यतः उस स्थान पर किया जाता है जहाँ कर्सर को चलाने के लिए अधिक जगह उपलब्ध नहीं होती है ।
39. स्कैनर (Scanner) device का प्रयोग एक hard copy को soft copy में बदलने के लिए किया जाता है ।
40. Biometric सेन्सर (बायोमेट्रिक सेन्सर) device का प्रयोग computer में मानव के विभिन्न जैविक अंगों के निशान को इनपुट करने के लिए किया जाता है ।
41. BCR (Barcode Reader) device का प्रयोग किसी वस्तु पर अंकित बार कोड में store की गई सूचनाओं को पढ़ने के लिए किया जाता है ।
42. MICR (Magnetic Ink Character reader/Recognition) device का प्रयोग Bank में किया जाता है । इसकी सहायता से एक cheque पर चुम्बकीय स्याही से मुद्रित संख्याओं को Process किया जा सकता है ।
43. OCR (Optical Character Reader) device का प्रयोग एक प्रश्न पर Printed या हस्तलिखित अक्षरों को पढ़कर मशीन के समझने योग्य बनाने के लिए किया जाता है ।
44. Smart Card Reader device का प्रयोग स्मार्ट कार्ड (Credit/Debit) में Microchip तथा Magnetic Chip में store की गई सूचनाओं को पढ़ने के लिए किया जाता है ।
45. Processor द्वारा प्रदान किए गए Output को यूजर के समझने योग्य बनाने की प्रक्रिया को डिकोड कहा जाता है ।
46. VDU (Visual display Unit), एक computer में सर्वाधिक प्रचलित Output device है जिसका प्रयोग computer द्वारा प्रदान किए गए Data को soft copy के रूप में दर्शाने के लिए किया जाता है ।
47. Plotter (प्लॉटर) एक Printer के समान कार्य करने वाले Output device है ।

Printer	
Impact	Non Impact
• Daisy wheel printer	• Ink Jet Printer
• DMP (Dot Matrix printer)	• Laser Printer
	• Thermal printer

48. Computer में प्रयोग की जाने वाली संख्या-पद्धति में निम्न चार संख्या पद्धतियों को प्रयुक्त किया जाता है -
 - द्विआधारी संख्या पद्धति (Binary number System) में मात्र दो अंकों 0,1 का ही इस्तेमाल करते हैं ।

- ऑक्टल (Octal) संख्या पद्धति में 0 से लेकर 7 तक कुल 8 संख्याओं का इस्तेमाल किया जाता है ।
 - डेसीमल संख्या पद्धति में 0,1,2,3,4,5,6,7,8,9 तक कुल 10 संख्याओं का इस्तेमाल किया जाता है ।
 - हेक्सा डेसीमल संख्या पद्धति (Hexadecimal Number System) में बाइनरी अंको को चार बाइनरी समूहों में बदला जाता है ।
49. आरबी ASCII (American standard code for Information Interchange) प्रकार की coding में Decimal संख्या को उसके Binary से परिभाषित किया जाता है ।
50. BCD (Binary coded decimal) प्रकार की Coding में Decimal संख्या के प्रत्येक अंक को 4 Binary bit में दर्शाया जाता है ।
51. EBCDIC (Extended Binary Coded decimal Interchange Code) प्रकार की Coding में decimal संख्या के प्रत्येक अंक को 8 Binary bit में दर्शाया जाता है ।
52. UNICODE (Universal Code) प्रकार की Coding का प्रयोग विश्व की विभिन्न भाषाओं में प्रयुक्त होने वाले प्रतीकों को समान प्रकार की Coding प्रदान करने के लिए किया जाता है ।
53. संख्या परिवर्तन
- 1 बाइनरी से डेसीमल में बदलने के लिए बाइनरी संख्या के प्रत्येक अंक को उसके स्थानीय मान से गुणा करके प्राप्त किया जाता है ।
 - 2 डेसीमल से बाइनरी में बदलने के लिए दिए गए अंक को 2 से भाग देते हैं तथा शेषफल अलग लिखते जाते हैं ।
- 54.
- | कम्प्यूटर (Computer Hardware) | | |
|---|-----------------------------------|-------------------------------------|
| इलेक्ट्रॉनिक उपकरण
Electronic Device | चुम्बकीय उपकरण
Magnetic Device | यांत्रिक उपकरण
Mechanical Device |
55. Computer का वह भाग जहाँ पर डाटा पर कार्य किया जाता है Processing Unit कहलाती है ।
56. वर्तमान में पेंटियम 11 (P-11) व इंटेल पेंटियम - 111 (P-111) माइक्रोप्रोसेसर काम आ रहे हैं ।

Internal Memory (आंतरिक मेमोरी)/Main Memory



PROM – Programable read only memory

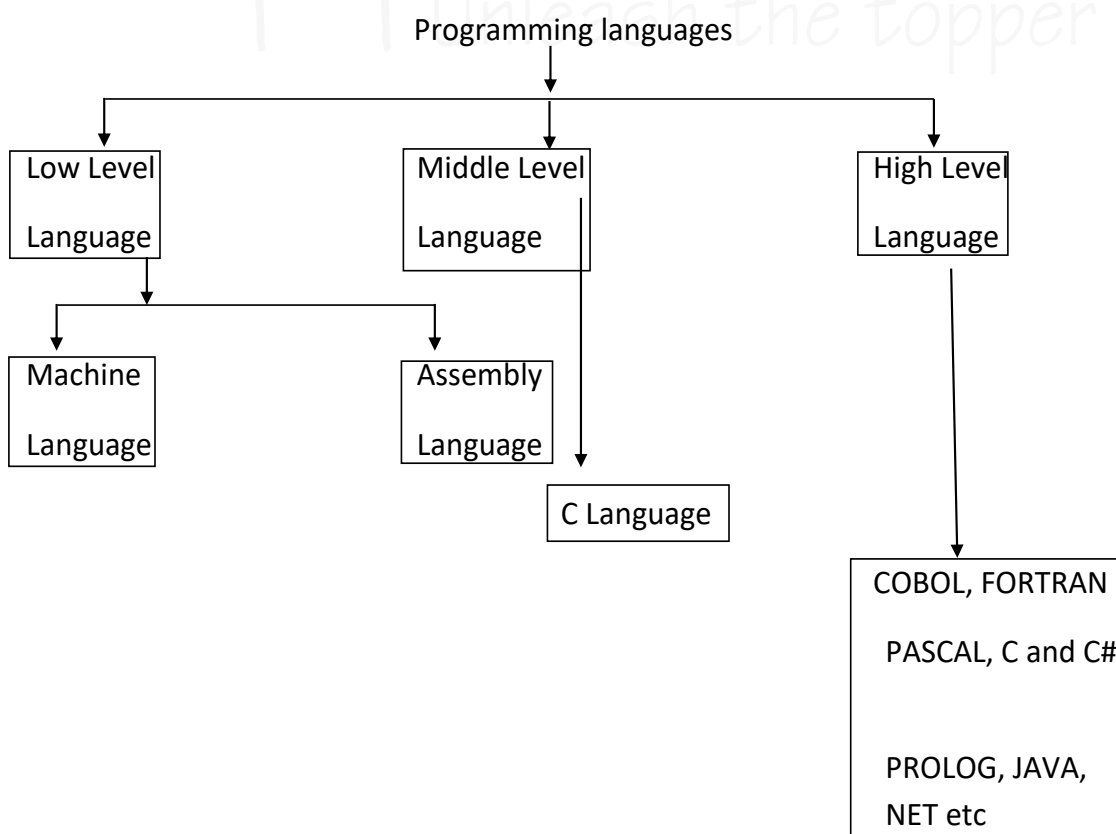
EROM – Erasable Programmable read only memory

EEROM – Electrically erasable programmable read only memory

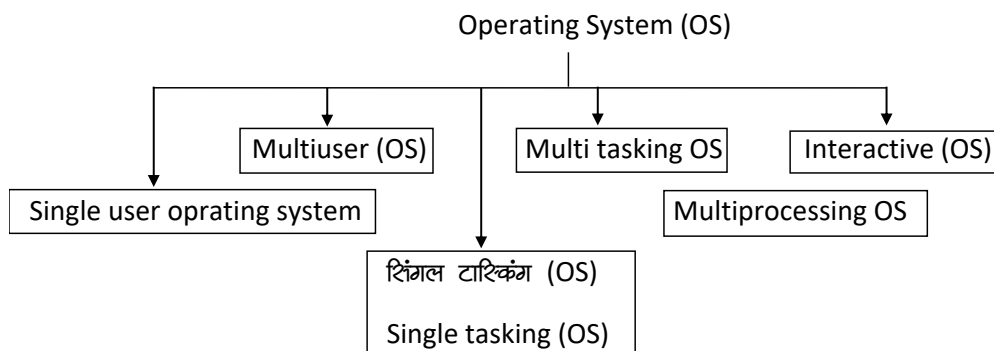
57. Main Memory, computer के अन्दर माइक्रोप्रोसेसर या मदरबोर्ड के अन्दर लगी रहती है ।
- रोम (ROM- Read Only Memory) एक स्थायी मेमोरी है जिसमें संग्रहित डाटा व सूचनाएँ न तो नष्ट होती हैं और न ही उनमें परिवर्तन किया जा सकता है ।
 - पी-रोम (PROM Programmable Read Only Memory) एक विशेषीकृत रोम जिसमें उपयोग करने वाले के अनुकूल डाटा की प्रोग्रामिंग की जाती है ।
 - ई-पीरोम (EPROM-Erasable Programmable Read only Memory) से डाटा या Programme को हटाकर उस पर नया Programme लिखा जा सकता है ।
 - ई-ई-पीरोम (EEPROM- Electrically Erasable Programmable Read only Memory) में भी पुराने प्रोग्राम को हटाया जा सकता है ।
 - रैम (Random Access Memory) एक कार्यकारी/अस्थायी मेमोरी होती है ।
 - कैश मेमोरी (Cache Memory), यह Main memory और CPU के बीच की एक तीव्र Memory है । जहाँ बार-बार प्रयोग में आने वाल डाटा व निर्देशों का संग्रहित किया जाता है ।
58. द्वितीयक या सहायक मेमोरी, Secondary storage unit, गौण स्मृति, ऑक्जिलरी स्टोरेज यूनिट भी कहते हैं ।
- फ्लॉपी डिस्क (Floppy Disk) प्लास्टिक के वर्गाकार आवरण के अन्दर स्थित प्लास्टिक का एक वृत्ताकार Disk होता है ।

- हार्ड डिस्क (Hard Disk), Aluminium के बने इस डिस्क पर चुम्बकीय पदार्थ का लेप लगा रहता है। इसकी भंडारण क्षमता बहुत अधिक होती है।
- सी. डी. रोम (Compact Disk Read only Memory), Plastic का बना वृत्ताकार डिस्क होता है। इसके ऊपर लेपित पदार्थ से प्रकाश की किरणें परावर्तित होती हैं।
- C.D.R. (CD-Recordable), WORM (Write Once Read Many) डिस्क कहा जाता है।
- C.D.R/W (CD-Read/Write), इस प्रकार की CD पर बार-बार लिखा जा सकता है।
- डी वी डी (DVD-Digital Video Disk), इसमें ध्वनि के लिए डॉल्बी डिजिटल या डिजिटल थियेटर सिस्टम का प्रयोग किया जाता है।
- पेन ड्राइव (Pen drive), USB (Universal Serial Bus Port) को में लगाकर डाटा को संग्रहित परिवर्तित या पढा जा सकता है।

59. प्रारम्भ में Programmer के द्वारा Computer को Command देने के लिए 0 तथा 1 का ही प्रयोग किया जाता था जिसे मशीनी भाषा कहते हैं।
60. फ्लोचैम्बली कूट भाषा एक निम्न स्तरीय कम्प्यूटर भाषा है जिसमें याद रखने के लायक कोड का प्रयोग किया गया है जिसे निमोनिक कोड कहा जाता है।
61. उच्चस्तरीय भाषा में प्रोग्रामिंग करना बहुत आसान है।
- फोर्ट्रान (FORTRAN) :- यह 'फॉर्मूला ट्रांसलेशन' (Formula Translation) का संक्षिप्त रूप है।
 - पास्कल भाषा (PASCAL) :- यह बिना संख्याओं की प्रोग्रामिंग के लिए उत्तम भाषा है।
 - सी++ भाषा (C++ language) :- यह एक जनरल पर्पज कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा है।
- 62.

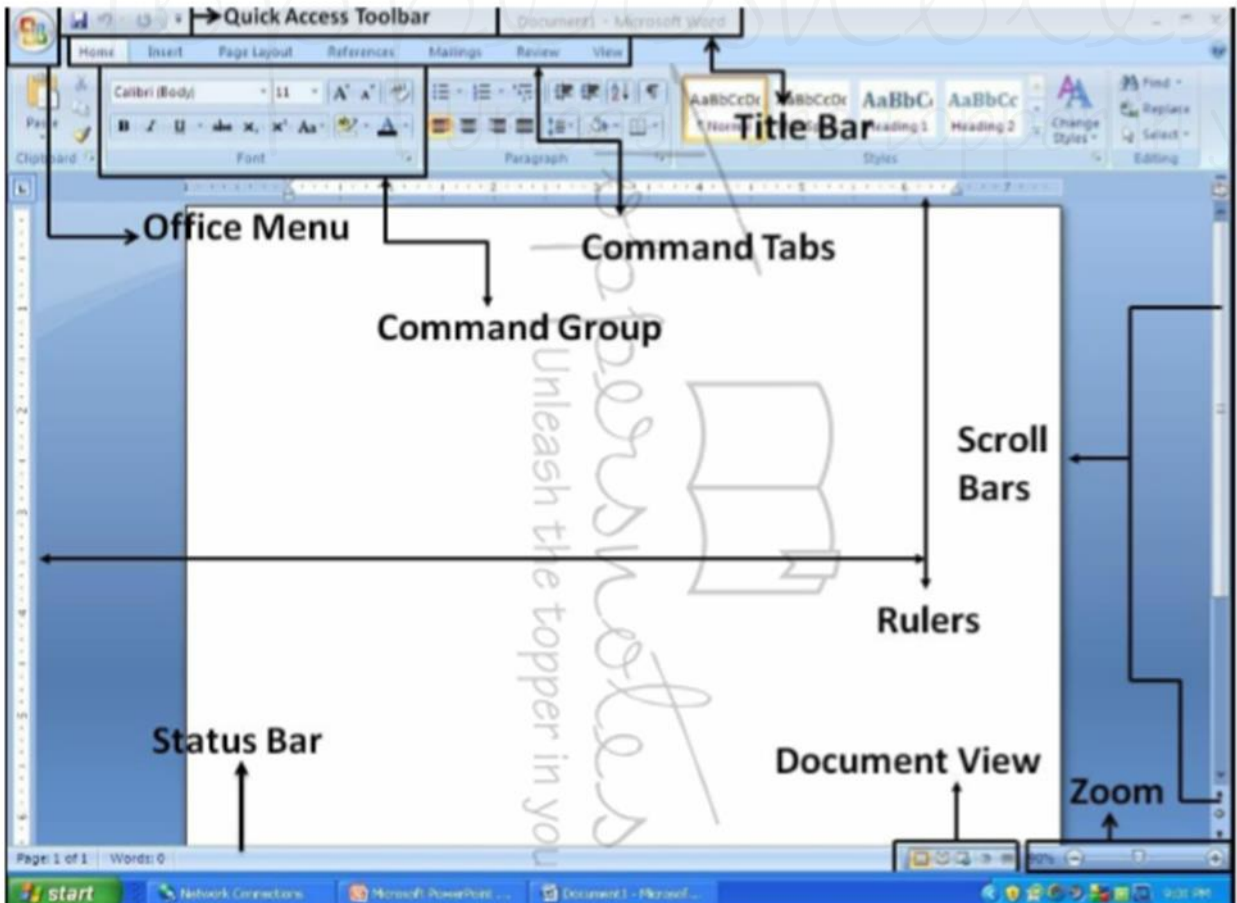


63. जावा (Java) भाषा C तथा C++ की तरह ही है लेकिन इसमें शरल Object Model का प्रयोग किया जाता है ।
64. लिस्प (LISP) कृत्रिम बुद्धि (AI) के अनुसंधान क्षेत्र में काम करने वाली सहायक भाषा है । यह दूसरी सबसे पुरानी उच्च स्तरीय कम्प्यूटर भाषा है ।
65. कोबोल (COBOL- Common Business Oriented Language) श्रॉकडों की Processing में काम करने वाली श्राय भाषा है । यह वाणिज्यिक कार्यालयों में प्रयुक्त होती है ।
66. बेसिक (BASIC- Bigginers All Purpose Symbolic Instruction Code) 'बेसिक' प्रोग्रामिंग भाषा PC पर काम करने वाली सबसे प्रचलित भाषा है ।
67. लोगो (LOGO) :- इस भाषा का विकास लिस्प भाषा से ही हुआ है ।
68. एल्गो भाषा (ALGOL- Algorithm Language) का उपयोग वैज्ञानिक इंजीनियरिंग उद्देश्यों के लिए किया जाता है ।
69. सी शार्प (C Sharp) – सी शार्प को C# भी लिखा जाता है ।
70. Computer Software
 - ऐसे प्रोग्रामों का समूह जो Computer system की क्रियाओं को नियंत्रित करते हैं System software कहलाता है ।
 - एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (Application Software), किन्हीं विशेष तथा निश्चित कार्यों को सम्पन्न करने के उद्देश्य से बनाए जाते हैं ।
71. ऑपरेटिंग सिस्टम को मास्टर कंट्रोलर प्रोग्राम भी कहते हैं ।
72. Operating System का मुख्य कार्य User और हार्डवेयर के बीच में Interface प्रदान करना है । यह Computer की सभी युक्तियों का नियंत्रण करता है ।

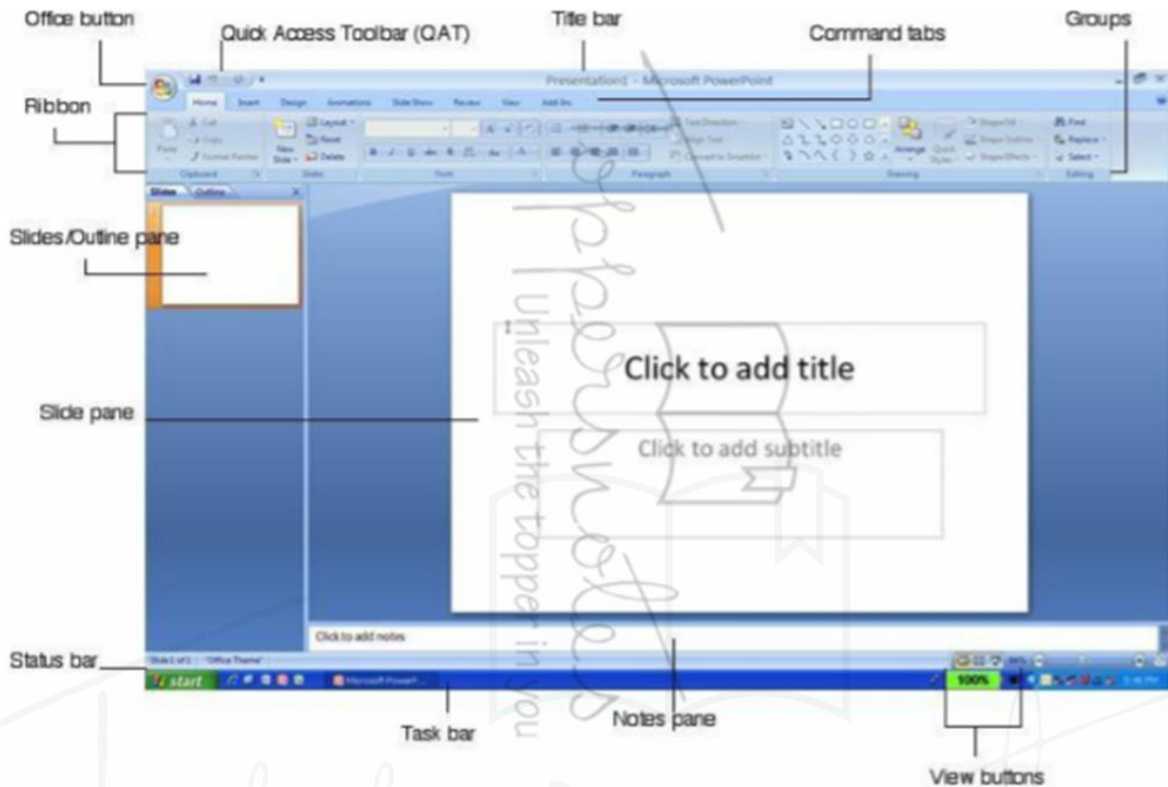


73. सीपी/एम (CP/M) – इसका पूरा नाम – कंट्रोल प्रोग्राम फॉर माइक्रो कम्प्यूटर्स (Control Programme for Micro Computers) है ।
74. MS-DOS तथा PC-DOS - यह Microshoft कम्पनी के द्वारा Intel 8088 चिप के लिए तैयार किया गया था ।
75. मैक ओ एस (Mac OS/2) – ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (GUI) को सबसे पहले अपनाने का श्रेय इसी Operating System को दिया जाता है ।
76. यूनिक्स (UNIX) - यह एक बहु उपयोगकर्ता तथा बहु कार्य Operating System है ।
77. सोलारिस (SOLARIS) - यह ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (GUI) में कार्य करता है ।

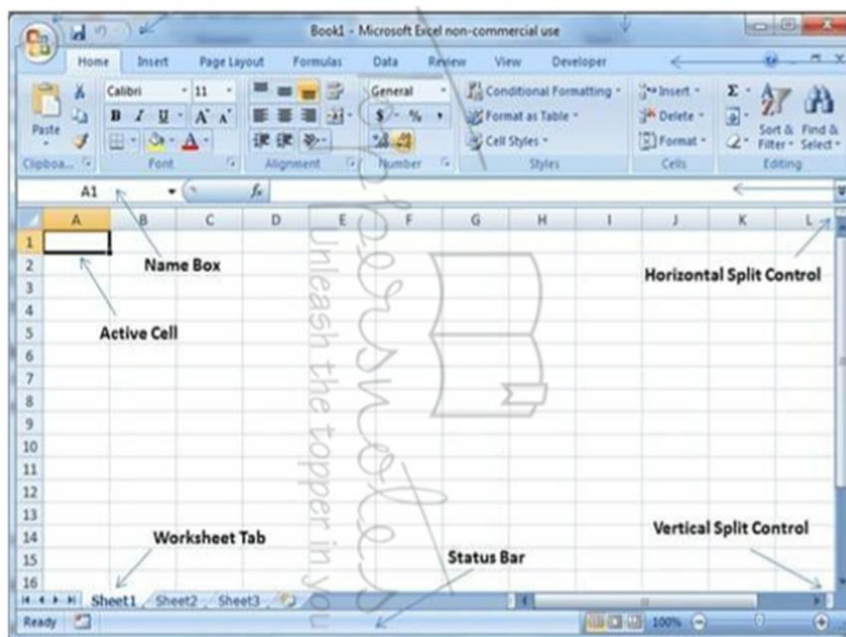
78. विंडोज (Windows) - यह सबसे अधिक प्रयोग किया जाने वाला Operating system है ।
79. लाइनक्स (LINUX) - लाइनक्स सबसे प्रसिद्ध ओपन-सोर्स ऑपरेटिंग सिस्टम है । यह (GUI) आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम है ।
80. माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ग्राफिकल यूजर इंटरफेस पर आधारित एक ऑपरेटिंग सिस्टम है जिसे माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित किया था ।
81. विंडोज 10 : यह विंडोज का नवीनतम वर्जन है - 'Threshold' इसका कोडनेम है ।
82. डेस्कटॉप वीडियो स्क्रीन का कार्यक्षेत्र है, जहाँ कार्य किया जाता है ।
83. Desktop पर छोटे चित्रों को आइकन कहा जाता है
84. टास्क बार जब Start बटन पर Click करते हैं तो Start Menu प्रकट होता है ।
85. विंडो स्क्रीन का वह हिस्सा है जहाँ प्रोग्राम्स और प्रक्रियाओं को संचालित किया जा सकता है ।
86. बाइटाइटल मे Programme या Document का नाम Display होता है ।
87. कंट्रोल बॉक्स, डेस्कटॉप में टाइटल बार के बायीं ओर दिखाई देने वाले छोटे आइकनों को Control box कहते हैं ।
88. क्लोज बटन क्लिक करने पर document या folder बन्द होता है ।
89. स्कॉल बार इस बटन को यदि Window, अपने कंटेन्ट को दिखाने की लिए पर्याप्त नहीं है तो इसके दाएँ किनारे पर एक वर्टिकल स्कॉल बार दिखाई देता है तथा इसी तरह हॉरिजोन्टल स्कॉल बार Window के नीचे दिखाई देता है ।
90. Menu Bar - टाइटल बार के नीचे दिए गए शब्दों की लाइन से Menu बार बनता है ।
91. Microsoft word एक नया Processing software है । इसे माइक्रोसॉफ्ट द्वारा डाक्यूमेंट्स, रिपोर्ट्स, टेक्स्ट, चित्र तथा ग्राफिक्स के निर्माण हेतु बनाया गया है ।



92. Power Point MS Office का वह भाग है जो Graphics, तस्वीर आदि को प्रस्तुत करने का कार्य करता है ।



93. M.S. Excel, एक स्प्रेडशीट प्रोग्राम है जिसका उपयोग सामान्यतः अकाउंटिंग से संबंधित कार्यों के लिए किया जाता है ।
94. एक वर्कशीट में आप कुल 17,17,98,69,184 (10,48,576 × 16,384) सेल्स के साथ कार्य कर सकते हैं ।



95. चार्ट जिसे ग्राफ भी कहते हैं, वर्कशीट में प्रविष्ट किए गए डाटा का ग्राफिकल प्रदर्शन होता है ।